

सुमिन्मा उपन्यासमा परिवेश विधान

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत
नेपाली केन्द्रीय विभागको स्नातकोत्तर दोस्रो वर्षको दसौं
पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
मुरारी सुवेदी
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर
२०६९

त्रिभुवन विश्वविद्यालय
नेपाली केन्द्रीय विभाग
कीर्तिपुर, काठमाडौं

शोधनिर्देशकको मन्त्रव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुरको स्नातकोत्तर तह (एम.ए.) दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि छात्र श्री मुरारी सुवेदीले सुमिनमा उपन्यासमा परिवेश विधान शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मेरो निर्देशनमा तयार पार्नु भएको हो । यस शोधकार्यबाट म सन्तुष्ट छु र यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

मिति : २०८१।४।

.....
श.स. बालाकृष्ण अधिकारी
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर, काठमाडौं

त्रिभुवन विश्वविद्यालय
नेपाली केन्द्रीय विभाग
कीरितपुर, काठमाडौं

स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागका छात्र मुरारी सुवेदीले स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्ष, दसौं पत्रको प्रयोजका लागि तयार पार्नु भएको सुमिनमा उपन्यासमा परिवेश विधान शीर्षकको शोधपत्र सोही प्रयोजनका लागि स्वीकृत गरिएको छ ।

शोधपत्र मूल्याङ्कन समिति

१. प्रा. डा. देवीप्रसाद गौतम
विभागीय प्रमुख
२. शि.स. बालाकृष्ण अधिकारी
(शोध निर्देशक)
३.
बाह्य परीक्षक

मिति : २०६९/०४/

कृतज्ञताज्ञापन

प्रस्तुत शोधपत्र त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली विषयको स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनार्थ तयार पारिएको हो । शोध कार्य गर्नु गहन विषय भएको हुनाले यसका लागि निकै मिहिनेत र लगनशीलताका साथै सर सल्लाह र सहयोगको आवश्यकता पर्दछ । तसर्थ यस कार्यमा मलाई आफ्नो अमूल्य सुभाव, सहयोग र समय दिने प्राज्ञजन, आत्मीय जन र सङ्घ संस्था सबै प्रति म हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्न चाहन्छु ।

सर्वप्रथम त मलाई यस धर्तीमा जन्म दिएर शिक्षाको ज्योतिले मेरो भविष्य उज्ज्वल बनाउनलाई आफ्नो कर्तव्य ठान्दै पठन पाठनतर्फ उत्प्रेरित गर्नु हुने आदरणीय आमाबुबाप्रति सभक्ति कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु । उहाँहरुको माया र प्रेरणा, प्रोत्साहन, सहयोग र आर्शीवादले तै म यहाँ सम्म आउन सफल भएको हुँ भन्ने लागेको छ ।

यसैगरी आफ्नो कार्य व्यस्तताका बिच पनि यथेष्ट अमूल्य सुभाव र कुशल मार्ग निर्देशन गरी यस शोध पत्रलाई पूर्णता दिन सहयोग गर्नु हुने आदरणीय शोध निर्देशक गुरु बालाकृष्ण अधिकारी प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु । यस शोधकार्यका लागि स्वीकृति प्रदान गरी सहयोग प्रदान गर्ने विभागीय प्रमुख तथा आदरणीय गुरु प्रा. डा. देवीप्रसाद गौतम र नेपाली केन्द्रीय विभाग प्रति पनि कृतज्ञ छु ।

यसैगरी यो शोधपत्र तयार पार्दा आवश्यक सामाग्री उपलब्ध गराई दिने त्रि. वि. केन्द्रीय पुस्तकालय, कीर्तिपुरका कर्मचारीप्रति आभारी छु । यसका साथै अध्ययन अनुसन्धानको वातावरण तयार गरि दिने भाइ कुमार, भान्ज आधार, दाइ विनोद अनि साथीहरु सविना, सीता, हेमन्ता नारायणले गरेको सहयोग प्रति कृतज्ञ छु । यसै गरी यस शोधपत्रलाई छिटो, छरितो तथा शुद्ध रूपमा टड्कण गरी सहयोग गर्नुहुने युनिभर्सल कम्प्युटरका दाजु सुवास खत्री प्रति आभार प्रकट गर्दछु ।

अन्त्यमा सुन्निमा उपन्यासमा परिवेश विधान शीर्षकको प्रस्तुत शोध पत्र आवश्यक उचित मूल्याङ्कनका लागि त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाली केन्द्रीय विभाग कीर्तिपुर समक्ष पेश गर्दछु ।

शोधार्थी

मुरारी सुवेदी
नेपाली केन्द्रीय विभाग
कीर्तिपुर, काठमाडौं
त्रि. वि दर्ता नं. :
परिक्षा क्रमांक :

मिति : २०८९/०४/

विषयसूची

पेज नं.

पहिलो परिच्छेद : शोधपरिचय

| | |
|---------------------------|---|
| १.१ विषय परिचय | १ |
| १.२ समस्याकथन | २ |
| १.३ शोधको उद्देश्य | २ |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा | ५ |
| १.५ अध्ययनको औचित्य | ६ |
| १.६ शोधको सीमा | ६ |
| १.७ शोध विधि | ७ |
| १.८ शोधपत्रको रूपरेखा | ७ |
| १.९ सन्दर्भ सामाग्री सूची | |

दोस्रो परिच्छेद : परिवेशको अवधारणत्मक स्वरूप र उपन्यासका अन्य तत्वसँग

परिवेशको सम्बन्ध

| | |
|--|----|
| २.१ विषय परिचय | ८ |
| २.१ परिवेशको अर्थ | ९ |
| २.३ परिवेशको परिभाषा | १० |
| २.३.१ देशकाल | १२ |
| २.३.२ वातावरण | १४ |
| २.४ परिवेशका विशेषताहरू | १५ |
| २.५ परिवेश विश्लेषणको सामान्य आधार | १६ |
| २.६ उपन्यासका विभिन्न तत्वसँग परिवेशको सम्बन्ध | १७ |
| २.६.१ कथानक र परिवेशको सम्बन्ध | १९ |
| २.६.२ चरित्र र परिवेशको सम्बन्ध | २० |
| २.६.३ संवाद र परिवेशको सम्बन्ध | २१ |
| २.६.४ भाषाशैली र परिवेशको सम्बन्ध | २१ |
| २.६.५ उद्देश्य र परिवेशको सम्बन्ध | २२ |

२.७ निष्कर्ष

तेस्रो परिच्छेद : सुन्निमा उपन्यासमा परिवेश विधान

| | |
|--|----|
| ३.१ विषय परिचय | २३ |
| ३.२ सुन्निमा उपन्यासमा प्रयुक्त स्थानिक परिवेश | २३ |
| ३.२.१ स्थान र प्रकृति | २६ |
| ३.२.२ स्थान र भाषा | २७ |
| ३.२.३ स्थान र रहन सहन | २९ |

| | |
|--|-------|
| ३.३ सुम्निमा उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेश | ३० |
| ३.३.१ पौराणिक कालीन परिवेश | ३० |
| ३.३.२ किरात कालीन परिवेश | ३२ |
| ३.३.३ आधुनिक कालीन परिवेश | ३४ |
| ३.४ वातावरणीय परिवेश | ३५ |
| ३.४.१ सामाजिक वातावरण | ३५ |
| ३.४.२ सांस्कृतिक वातावरण | ३६ |
| ३.४.३ राजनीतिक वातावरण | ३८ |
| ३.४.४ पात्रको मनस्थितिको वातावरण | ३८ |
| ३.५ निष्कर्ष | ४० |
| चौथो परिच्छेद : उपन्यासका विभिन्न तत्त्वहरूसँग ...सुम्निमा' उपन्यासमा प्रयुक्त परिवेशको अन्तर सम्बन्ध | |
| ४.१ विषय परिचय | ४२ |
| ४.२ स्थान र औपन्यासिक तत्त्वहरूको अन्तर सम्बन्ध | ४२ |
| ४.२.१ स्थान र कथानकको अन्तर सम्बन्ध | ४५ |
| ४.२.२ स्थान र पात्रको अन्तर सम्बन्ध | ४७ |
| ४.२.३ स्थान र संवादको अन्तर सम्बन्ध | ४८ |
| ४.२.४ स्थान र भाषाको अन्तर सम्बन्ध | ४९ |
| ४.२.५ स्थान र उद्देश्यको अन्तर सम्बन्ध | ४९ |
| ४.३ समय | ४९ |
| ४.३.१ समय र कथानकको अन्तर सम्बन्ध | ५१ |
| ४.३.२ समय र चरित्रको अन्तर सम्बन्ध | ५२ |
| ४.३.३ समय र संवादको अन्तर सम्बन्ध | ५३ |
| ४.३.४ समय र भाषाको अन्तर सम्बन्ध | ५४ |
| ४.३.५ समय र उद्देश्यको अन्तर सम्बन्ध | ५५ |
| ४.४ वातावरण | ५५ |
| ४.४.१ वातावरण र कथानकको अन्तर सम्बन्ध | ५७ |
| ४.४.२ वातावरण र चरित्रको अन्तर सम्बन्ध | ५८ |
| ४.४.३ वातावरण र संवादको अन्तर सम्बन्ध | ५९ |
| ४.४.४ वातावरण र भाषाको अन्तर सम्बन्ध | ६० |
| ४.४.५ वातावरण र उद्देश्यको अन्तर सम्बन्ध | ६१ |
| ४.५ निष्कर्ष | |
| पाँचौं परिच्छेद : उपसंहार तथा निष्कर्ष | |
| ५.१ उपसंहार | ६२ |
| ५.२ निष्कर्ष | ६४ |
| ५.३ भावी शोधकार्यका लागि उपयुक्त शीर्षकहरू | ६५ |
| सन्दर्भ सामग्री सूची | ६६-६७ |

सङ्क्षेपीकृत शब्दसूची

| | | |
|-------------------|---|---------------------------------|
| अप्र. | - | अप्रकाशित |
| डा. | - | डाक्टर |
| ते.सं. | - | तेस्रो संस्करण |
| दो.सं. | - | दोस्रो संस्करण |
| ने. रा. प्र. प्र. | - | नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान |
| प्रा.डा. | - | प्राध्यापक डाक्टर |
| प्रा. | - | प्राध्यापक |
| वी.पी. | - | विश्वेश्वर प्रसाद |
| पृ. | - | पृष्ठ |
| वि.सं. | - | विक्रम संवत् |
| सम्पा. | - | सम्पादन |
| ... | - | केही अंश छोडिएको |
| आ.सं. | - | आठौं संस्करण |
| चौ.सं. | - | चौथो संस्करण |
| त्रि.वि. | - | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |